



## कविता का सारांश

नाम है उसका कक्कू  
 कक्कू माने कोयल होता  
 लेकिन यह तो दिनभर रोता  
 इसीलिए हम इसे चिढ़ाते  
 कहते इसको सक्कू  
 नाम है उसका कक्कू।

अर्थ - प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कक्कू नाम के एक लड़के का वर्णन करते हैं। वैसे तो कक्कू का अर्थ कोयल होता है। लेकिन यह जो कक्कू है दिनभर रोता रहता है। इसीलिए उसके दोस्त उसे बहुत परेशान करते हैं। कक्कू को उसके दोस्त सक्कू कहकर पुकारते हैं। सक्कू भले ही उसे पुकारा जाए, लेकिन उसका नाम कक्कू ही है।

कोयल, माने मिसरी जैसी  
 मीठी जिसकी बोली  
 यह तो जाता भड़क, करो जब  
 इससे तनिक ठिठोली  
 इसीलिए तो कभी-कभी हम  
 कहते इसको भक्कू  
 नाम है उसका कक्कू।

अर्थ - कवि कहता है कि कोयल का अर्थ होता मिश्री जैसी बोली बोलने वाली पक्षी। जो ऐसा बोले जो सभी को कर्णप्रिय हो। लेकिन यह कक्कू नाम का लड़का बड़ा ही बेकार है। जब भी इसके दोस्त इससे हंसी मजाक करने की कोशिश करते। वह तुरंत ही भड़क जाता। उसे हँस कर बातें करना जरा भी अच्छा नहीं लगता है। इसीलिए उसके दोस्तों में उसका नाम भक्कू रख दिया है, क्योंकि यह हमेशा भड़कता रहता है। वैसे उसका लड़के का नाम कक्कू ही है।

कक्कू वह जो गाना गाए  
बात-बात में जो चिढ़ जाए  
रहता मुँह जो सदा फुलाए  
गाना जिसको जरा न आए  
ऐसे झगड़ालू को अब से  
क्यों न कहें हम झक्कू  
नाम है उसका कक्कू।

अर्थ - कवि कहता है कि कक्कू का अर्थ होता है जो कोयल की तरह मीठी - मीठी गीत गाये ,लेकिन यह कक्कू तो हर बात पर मुँह फुलाए रहता है। इसे जरा भी गाना पसंद नहीं है। इसीलिए वह गाना भी नहीं गाता है। झगड़ा करने के कारण ही ,उसके दोस्त उससे बहुत नाराज़ रहते हैं। इसीलिए वे उसे झक्कू जैसे नामों से पुकारने लगे हैं। बहुत सारे नामों से पुकारे जाने पर भी उसका असली नाम कक्कू ही है। झक्कू जो हमेशा झगड़ा करता रहता है।

### शब्दार्थ :

कोयल - एक पक्षी

मिसरी - जमाई हुई सफ़ेद चीनी

बोली - वाणी

भड़कना - गुस्सा करना

तनिक - जरा सा

ठिठोली - हँसी मजाक करना

सदा - हमेशा

झगड़ालू - झगड़ा करने वाला

## प्रश्न - अभ्यास

### नाम ही नाम

प्रश्न. तुम अपना नाम लिखो और बताओ की तुम्हारे नाम का क्या मतलब है?

उत्तर- मेरा नाम सूरज हैं। मेरे नाम का मतलब है- सूर्य ।

### तुम्हारे कितने नाम

प्रश्न-1. तुम्हें लोग और किन-किन नामों से बुलाते हैं?

| प्यार वाला नाम | चिढ़ाने वाला नाम | दोस्तों का दिया नाम |
|----------------|------------------|---------------------|
| _____          | _____            | _____               |
| _____          | _____            | _____               |

उत्तर-

| प्यार वाला नाम | चिढ़ाने वाला नाम | दोस्तों का दिया नाम |
|----------------|------------------|---------------------|
| सूर्या         | ढोल              | सूर्या              |
| सोन्           | काली             | सोना                |

प्रश्न-2. सोचो और लिखो की किसी-किसी को नीचे दिए गए नामों से क्यों बुलाया जाता होगा?

गप्पू \_\_\_\_\_

भोली \_\_\_\_\_

छुटकी \_\_\_\_\_

गोलू \_\_\_\_\_

उत्तर-

गप्पू इधर-उधर की बातें करने वाला।

भोली जो सीधी-सादी हो।

छुटकी जिसका कद छोटा हो।

गोलू जिसका चेहरा गोल मटोल हो।

प्रश्न- 3. अब बताओ तुम्हारा कौन-सा दोस्त, कौन-सी सहेली

भक्कू है \_\_\_\_\_

झक्कू है \_\_\_\_\_

गप्पू है \_\_\_\_\_

उत्तर-

भक्कू है मान्नी, मोन्

झक्कू है विनीत, कांता

गप्पू है माला, अक्षित

**अब कविता का समय**

प्रश्न. कक्कू वह जो सदा हँसाए

कक्कू वह जो सदा हँसाए

रोना उसे ज़रा न

चिड़िया के संग गाना

संग मोर के

इसीलिए तो कभी-कभी हम

कहते उसको

---



---



---



---



---

उत्तर-

रोना उसे ज़रा न भाए

चिड़िया के संग गाना गाए

संग मोर के नाचे

इसीलिए तो कभी-कभी हम

कहते उसको कक्कू ।

**कक्कू कैसा है?**

प्रश्न. कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो।

उत्तर- कक्कू दिनभर रोता है। उसकी आवाज़ भी मीठी नहीं है। उसे गाना बिलकुल नहीं आता, इसलिए वह कोयल जैसा नहीं है।

**नामों की रेल**

प्रश्न 1. पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लो। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखो।

उत्तर- मनोज, नीतू, हरीश, गौरव, अमित।

प्रश्न 2. वर्णमाला याद है न? चलो, इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से कर्म में लगाते हैं।

उत्तर- अमित, गौरव, नीतू, मनोज, हरीश।

**चिढ़ाना**

प्रश्न. क्या तुम्हें भी कोई चिढ़ाता है? तब तुम्हें कैसा लगता है? कक्षा में चर्चा करो।

उत्तर- हमें जब कोई चिढ़ाता है, तो हमें अच्छा नहीं लगता है। कभी तो हम उसे हँसी में उड़ा देते हैं और कभी बहुत बुरा मान जाते हैं। दिल करता है कि उसे कोई करारा जवाब दे या बहुत मारें। परन्तु अक्सर कुछ नहीं कर पाते। मेरा मानना है कि कभी भी किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए। इससे हम दूसरे को दुखी करते हैं जोकि अच्छी बात नहीं है।